पाठ - 13

उत्तर अमेरिका का भौगोलिक स्वरूप

आइए जानें –

- विश्व में उत्तर अमेरिका की स्थिति कहाँ है और उसका विस्तार कितना है?
- उत्तर अमेरिका की धरातलीय संरचना और स्वरूप किस प्रकार का है?
- उत्तर अमेरिका में जलवायु दशाएँ किस प्रकार की है?
- उत्तर अमेरिका की वनस्पति किस प्रकार की है तथा वहाँ कौन-कौन से वन्य जीव पाए जाते हैं?

स्थिति एवं विस्तार

क्षेत्रफल की दृष्टि से उत्तर अमेरिका संसार का तीसरा सबसे बड़ा महाद्वीप है। विश्व का मानचित्र देखने से ज्ञात होता है कि यह पूरा महाद्वीप उत्तरी गोलार्द्ध में स्थित है। इसका अक्षांशीय विस्तार 10 डिग्री उत्तरी अक्षांश से 80 डिग्री उत्तर अक्षांश तक तथा देशान्तरीय विस्तार 20 डिग्री पश्चिम देशान्तर से 170 डिग्री पश्चिम देशान्तर तक है। इसकी उत्तर से दक्षिण तक लम्बाई लगभग 7200 किलोमीटर

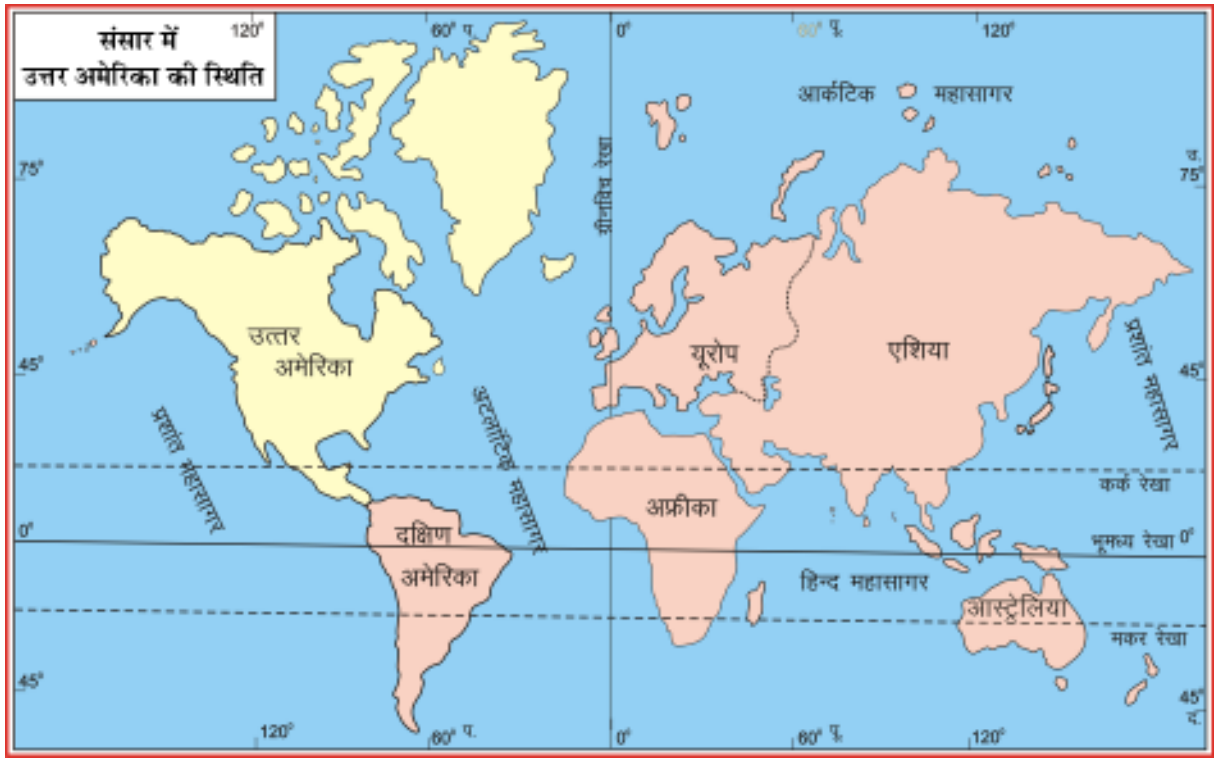

मानचित्र-1 : संसार के मानचित्र में उत्तर अमेरिका की स्थिति

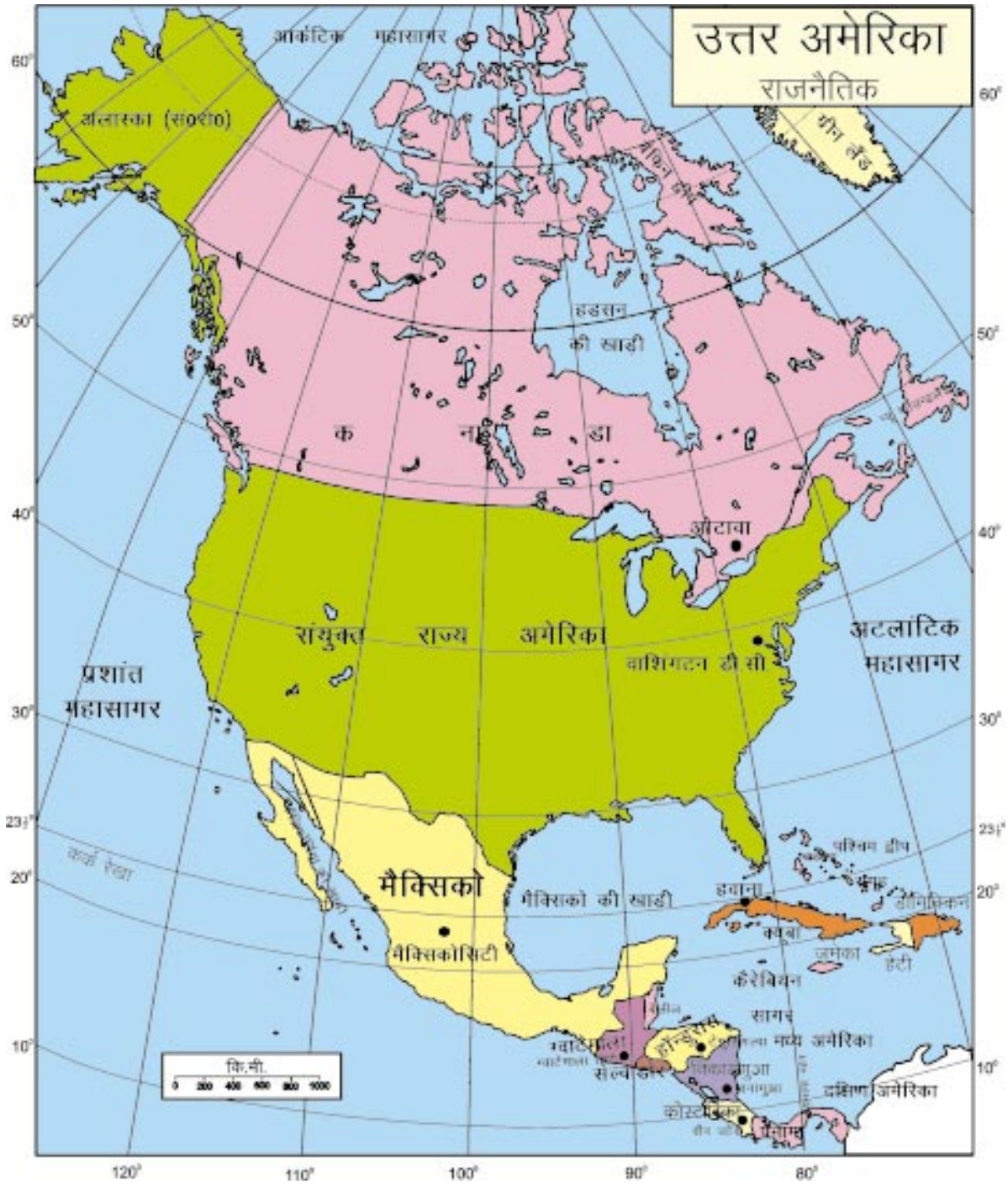

मानचित्र-2 : उत्तर अमेरिका - राजनैतिक

तथा पूर्व से पश्चिम चौड़ाई लगभग 6400 किलोमीटर है। उत्तर अमेरिका का कुल क्षेत्रफल लगभग 2 करोड़ 49 लाख वर्ग किलोमीटर है। पूरा महाद्वीप त्रिभुज के आकार का दिखाई देता है।

कोलम्बस नामक यूरोपीय नाविक अपने साथियों के साथ भारत की खोज पश्चिमी समुद्री मार्ग से करना चाहता था। कई दिनों की समुद्री यात्रा के पश्चात वह जिस भू-भाग पर पहुँचा, वह भारत

भूमि नहीं थी। वे समुद्री द्वीप थे। वह और आगे चलकर जिस विशाल भू-भाग पर सन् 1492 में पहुँचा, वह भू-भाग बिल्कुल नया और एकदम अपरिचित था। कोलम्बस ने इसे 'नईदुनिया' कहा। बाद में इसी विशाल भू-भाग को उत्तर अमेरिका के नाम से जाना जाने लगा।

महाद्वीप के उत्तर में आर्कटिक महासागर, पूर्व में अटलांटिक महासागर, पश्चिम में प्रशान्त महासागर और दक्षिण में दक्षिण अमेरिका महाद्वीप स्थित है। दक्षिण में यह महाद्वीप पनामा नहर द्वारा दक्षिण अमेरिका से पृथक किया गया है।

मानचित्र को देखकर बताइए-

- उत्तर अमेरिका के दो सबसे बड़े देश कौन से हैं?
- कनाडा एवं मैक्सिको की राजधानी के नाम बताइए।
- पश्चिमी द्वीप समूह के तीन प्रमुख द्वीपों के नाम क्या हैं?
- महाद्वीप के दक्षिणी सिरे पर स्थित देश कौन-सा है?

धरातलीय स्वरूप

धरातलीय उच्चावच के आधार पर उत्तर अमेरिका को तीन प्रमुख भागों में विभाजित किया जा सकता है –

1. पश्चिम का पर्वतीय प्रदेश या कार्डिलेरा,
2. पूर्वी उच्च भूमि,
3. मध्यवर्ती निम्न भूमि।

पश्चिमी पर्वतीय प्रदेश या कार्डिलेरा- पश्चिमी पर्वतीय प्रदेश को ही कार्डिलेरा कहा जाता है। कार्डिलेरा का विस्तार महाद्वीप के पश्चिमी भाग में उत्तर में अलास्का से लेकर दक्षिण में मैक्सिको तक है।

कार्डिलेरा के पश्चिमी भाग में अनेक पर्वत श्रेणियाँ समानान्तर उत्तर-दक्षिण फैली हुई हैं। पूर्व में रॉकी पर्वतमाला, मध्य में सियेरानिवेदा तथा पश्चिम में तटीय श्रेणी हैं। इन पर्वत श्रेणियों के बीच में अन्तर पर्वतीय पठार 'ग्रेट बेसिन' का विस्तार है। ग्रेट बेसिन के दक्षिण में कोलोरेडो का पठार है। इस पठार पर कोलोरेडो और उसकी सहायक नदियों ने धरातल को काट-काटकर गहरी घाटियाँ बना डाली हैं, जिनमें अनेक महाखड्ड तो 1800 मीटर से अधिक गहरे हैं। अधिक गहरे महाखड्ड 'केनियन' कहलाते हैं। कोलोरेडो का 'ग्रेट केनियन' विश्व विख्यात है।

- **कार्डिलेरा- ऐसी पर्वत श्रृंखला जिसमें अनेक पर्वत श्रेणियाँ एक दूसरे के समानान्तर दूर-दूर तक फैली हुई होती हैं। उत्तर अमेरिका में इनके सम्मिलित रूप को 'कार्डिलेरा' कहा जाता है।**

- केनियन- यह भू-दृश्य एक खड़े ढाल वाला, संकरा और गहरा खड्ड होता है। उत्तर अमेरिका के शुष्क तथा अर्द्धशुष्क प्रदेशों में पाया जाने वाला, खड़े ढालों से निर्मित अपेक्षाकृत संकीर्ण किंतु बड़े आकार का एक गहरा गार्ज जिसकी तली में ऐसी नदी (कोलोरेडो) बहती है जो मृदु शैलों का अपरदन करती है 'ग्रेट केनियन' के नाम से विख्यात है।

मानचित्र-3 : उत्तर अमेरिका - भौतिक स्वरूप

कार्डिलेरा में अनेक ज्वालामुखी पाए जाते हैं। कार्डिलेरा का सबसे ऊँचा पर्वत शिखर माउन्ट मैकिन्ले अलास्का में है। समुद्र सतह से इसकी ऊँचाई 6194 मीटर है। इन्हीं पर्वत श्रेणियों के मध्य भाग में महाद्वीप का सबसे निचला स्थान 'डेथवेली' है जो समुद्र सतह से 86 मीटर नीची है। महाद्वीप की अनेक नदियाँ 'कार्डिलेरा' से निकलती है।

पूर्वी उच्च भूमि (पठार)– महाद्वीप के पूर्वी भाग में प्राचीन संरचना वाले अपरदित पठार फैले हैं। पूर्वोत्तर में लेब्रेडोर का पठार तथा दक्षिण पूर्व में अपलेशियन का पठार सम्मिलित है। इनकी ऊँचाई 450 से 2000 मीटर तक है। ये प्राचीन पठार खनिजों के भण्डार हैं। इनमें अनेकों खनिज बड़ी मात्रा में पाए जाते हैं।

मध्यवर्ती निम्न भूमि (मैदान)– पश्चिमी कार्डिलेरा और पूर्वी उच्चभूमि के मध्य निम्न भूमि का विस्तार है। इसका आकार बड़े त्रिभुज जैसा है। इसके उत्तरी भाग में केनेडियन शील्ड तथा मेकेन्जी नदी की द्रोणी है। मध्यवर्ती भाग में मिसीसिपी-मिसौरी नदियों द्वारा निर्मित समतल द्रोणी फैली हुई है। इस त्रिभुजाकार मैदान को 'प्रेयरी का मैदान' कहा जाता है। नदियों की द्रोणी में उपजाऊ मिट्टियों का फैलाव है। केनेडियन शील्ड विश्व के प्राचीनतम भू-खण्डों में से एक है। यह शील्ड हड़सन की खाड़ी को चारों ओर से घेरे हुए है। इस भाग में अनेक झीलें हैं। केनेडियन शील्ड के दक्षिण में मीठे पानी की पाँच बड़ी झीलें 'महान झीलों' के नाम से प्रसिद्ध है। इनके नाम हैं- (1) सुपीरियर झील (2) मिशीगन झील (3) ह्यूरन झील (4) इरी झील और (5) ओन्टेरियो झील। विश्व प्रसिद्ध न्याग्रा जल प्रपात इरी और ओन्टेरियो के बीच स्थित है। इस भाग में सेन्टलारेन्स नदी समुद्र को झीलों से जोड़ती है जो जल परिवहन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। सम्पूर्ण निम्न भूमि का क्रमिक ढाल उत्तर से दक्षिण की ओर है।

अपवाह तंत्र

उत्तरी अमेरिका में रॉकी पर्वत प्रमुख जल विभाजक है जहाँ से नदियों का प्रवाह अलग-अलग दिशाओं में विभाजित होता है।

1. **पश्चिम में प्रशान्त महासागरीय प्रवाह तन्त्र-** इस तंत्र की यूकोन, कोलम्बिया, फ्रेजर एवं कोलोरेडो नदियाँ, प्रशान्त महासागर में गिरती हैं।

2. **पूर्व में अटलान्टिक महासागरीय प्रवाह तन्त्र-** इसमें सेन्टलारेन्स, मिसीसिपी-मिसौरी और रियोग्रान्डे नदियाँ सम्मिलित हैं। मिसीसिपी नदी अपने मुहाने पर डेल्टा का निर्माण करती हुई मैक्सिको की खाड़ी में गिरती है।

3. **उत्तर में आर्कटिक प्रवाह तन्त्र-** इसमें मैकन्जी, चर्चिल, नेलसन आदि नदियाँ सम्मिलित हैं जो आर्कटिक महासागर में मिलती हैं।

जलवायु

उत्तर अमेरिका की जलवायु को मुख्य रूप से चार कारक प्रभावित करते हैं-

1. महाद्वीप का अक्षांशीय विस्तार।
2. महाद्वीप की धरातलीय विविधता।
3. स्थाई हवाएँ तथा ।
4. जलधाराएँ।

1. महाद्वीप का अक्षांशीय विस्तार– उत्तर अमेरिका का दक्षिणी भाग उष्ण कटिबन्ध में, मध्य भाग शीतोष्ण कटिबन्ध में और उत्तरी भाग ध्रुवीय शीत कटिबन्ध में आता है। अत: दक्षिणी भाग अधिक गर्म, मध्य भाग समान रूप से गर्म और ठंडा तथा उत्तरी भाग अत्यधिक ठंडा रहता है। महाद्वीप का अधिकांश भाग शीतोष्ण कटिबन्ध में पड़ता है।

2. धरातलीय विविधता का प्रभाव– पश्चिम में कार्डिलेरा पछुआ पवनों को रोककर अधिक वर्षा करता है, जबकि पूर्वी ढाल पूर्णत: वृष्टि छाया में आने से बहुत कम वर्षा प्राप्त करता है। यही कारण है कि प्रेयरी के मैदान में न्यून वर्षा होती है, किंतु प्रेयरी के मैदान से जैसे हम पूर्व तथा दक्षिण-पूर्व की ओर के पठारों व पर्वतों की ओर बढ़ते हैं, वर्षा की मात्रा भी बढ़ती जाती है। महाद्वीप के उत्तरी भाग में वर्षा हिमपात के रूप में और कम मात्रा में होती है, क्योंकि यह क्षेत्र निचला मैदान है।

3. स्थाई पवनों का प्रभाव- पश्चिम में कार्डिलेरा और पूर्व में उच्च भूमि, दोनों उत्तर से दक्षिण तक फैली हैं, इन दोनों के बीच विशाल मैदान हैं। शीतकाल में उत्तर से आने वाली ठंडी ध्रुवीय पवनें तथा ग्रीष्म में दक्षिण से चलने वाली गर्म पवनें सम्पूर्ण मैदानी भाग को प्रभावित करती हैं। इसलिए यह शीतकाल में ठंडा व ग्रीष्म में गर्म रहता है।

उत्तरी-पश्चिमी तट सुदूर पछुआ हवाओं के प्रभाव में वर्षभर रहता है, इसलिए यहाँ वर्ष भर वर्षा होती है। वायुदाब की पेटियाँ दक्षिण की ओर खिसकने से शीतकाल में पश्चिम केलिफोर्निया का क्षेत्र पछुआ पवनों के क्षेत्र में आ जाता है, जिससे यहाँ शीत ऋतु में वर्षा होती है।

मैक्सिको प्रदेश को मानसूनी पवनें प्रभावित करती हैं जिससे ग्रीष्मकाल में वर्षा होती है, जबकि मैक्सिकों की खाड़ी और दक्षिण-पूर्वी तट व्यापारिक हवाओं के प्रभाव में रहने से वर्ष भर वर्षा प्राप्त करते हैं।

4. जलधाराओं का प्रभाव– गर्म तथा ठंडी जलधाराएँ जिन तटों के समीप बहती हैं, वे वहाँ की जलवायु को अधिक प्रभावित करती है। महाद्वीप के दक्षिणी-पूर्वी तट पर गल्फस्ट्रीम और उत्तरी-पश्चिमी तट पर अलास्का की गर्म धाराएँ बहती हैं। इनके प्रभाव से तटीय भागों का तापमान सदैव ऊँचा रहता है। हवाएँ इनसे गर्म होकर नमी ग्रहण कर वर्षा करती है।

लेब्रेडोर की ठंडी धारा उत्तर पूर्वी भाग तथा कैलिफोर्नियों की ठंडी धारा दक्षिणी-पश्चिमी भाग के निकट बहती हैं। इससे तटीय क्षेत्रों की जलवायु अधिक ठंडी हो जाती है।

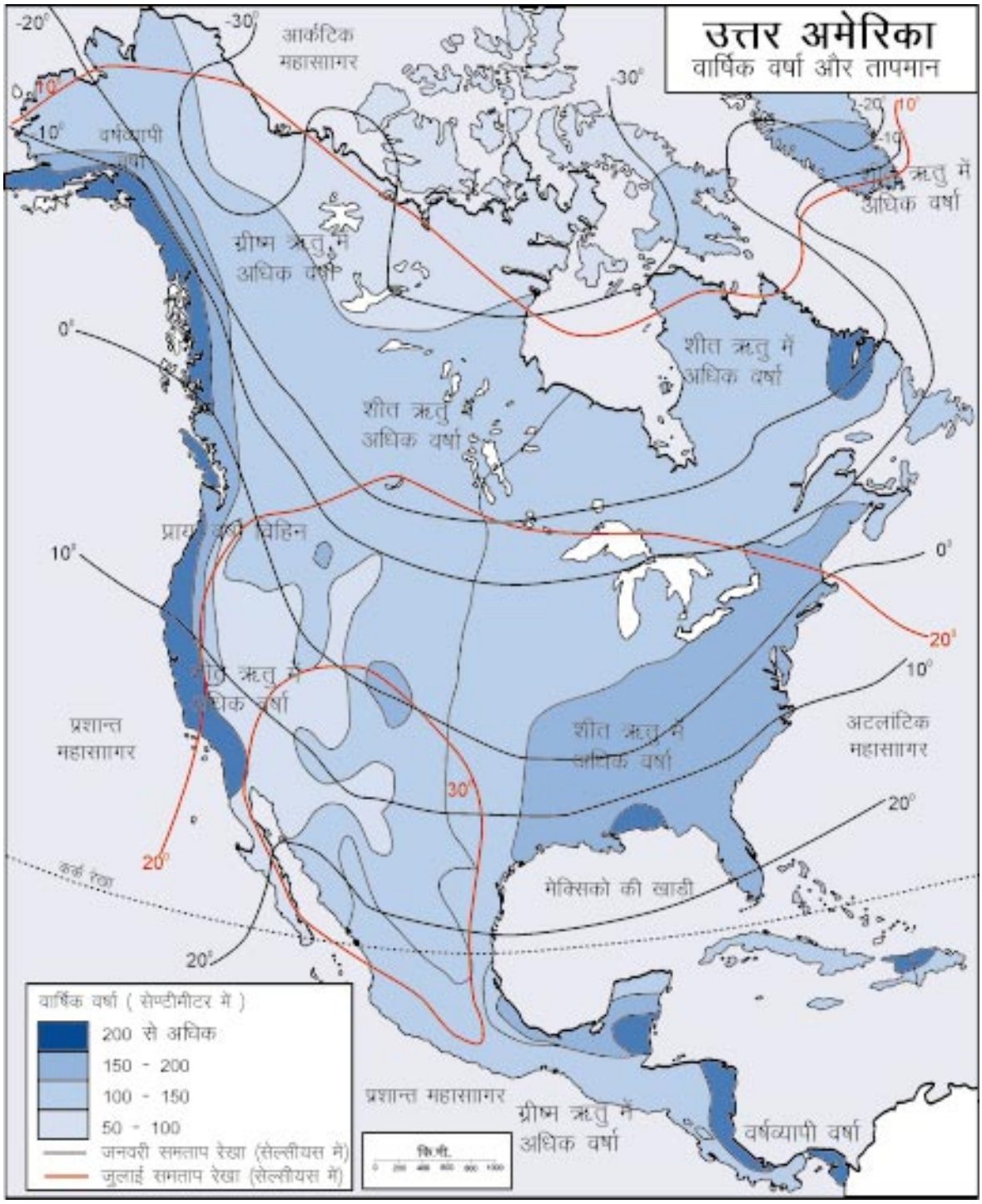

मानचित्र-4 : उत्तर अमेरिका - वार्षिक वर्षा और तापमान

न्यू फाउन्डलैण्ड के निकट लेब्रेडोर की ठंडी और गल्फस्ट्रीम की गर्म धाराओं के मिलने से घना कुहरा छाया रहता है। तापमान में परिवर्तन मछलियों के उत्पादन में बहुत लाभदायक है। इसलिए यह क्षेत्र मत्स्य व्यवसाय के लिए प्रसिद्ध है।

वर्षा वितरण

महाद्वीप के अधिकांश भागों में वर्षा ग्रीष्म काल में होती है। इस महाद्वीप के तीन पश्चिमी क्षेत्र ऐसे हैं, जहाँ अधिक वर्षा होती है। (1) द्वीप समूह में व्यापारिक पवनों के प्रभाव से (2) मध्य अमेरिका तथा दक्षिणी पूर्वी भाग में गर्म जल धारा (गल्फस्ट्रीम) की निकटता के कारण। (3) ब्रिटिश कोलम्बिया के पश्चिमी तट पर पछुआ पवनों के कारण।

पूर्वी तट से जैसे-जैसे पश्चिमी क्षेत्र की ओर आगे बढ़ते हैं वर्षा की मात्रा क्रमशः कम होती जाती है। संयुक्त राज्य के दक्षिणी-पश्चिमी भाग ऐरीजोना के मरूस्थल में अत्यन्त कम वर्षा होती है।

वनस्पति एवं वन्य प्राणी

किसी भी भू-भाग की वनस्पति एवं वन्य प्राणियों पर वहाँ पाई जाने वाली जलवायु दशाओं का प्रभाव स्पष्ट दिखाई देता है। क्योंकि इनकी उत्पत्ति और विकास दोनों ही जलवायु पर निर्भर करते हैं। उत्तर अमेरिका एक ऐसा महाद्वीप है जहाँ भूमध्य रेखीय वनस्पति को छोड़, विश्व में पाई जाने वाली समस्त प्रकार की वनस्पतियाँ पाई जाती हैं। जलवायु की विविधता तथा वर्षा के असमान वितरण के कारण वनस्पति में भी विविधता दृष्टिगोचर होती हैं। उत्तर अमेरिका वनसम्पदा में बहुत धनी महाद्वीप है।

सुदूर उत्तरी भाग के टुंड्रा प्रदेश में शीत ऋतु लम्बी तथा ग्रीष्म ऋतु अल्पकालीन होती है। यहाँ अधिकांश समय तक भूमि बर्फ से ढंकी रहती हैं, अतः बड़े पेड़-पौधे यहाँ उत्पन्न नहीं होते। यहाँ वनस्पति के नाम पर केवल काई, लिचेन और अल्पकालिक छोटी-छोटी झाड़ियाँ होती हैं। सम्पूर्ण प्रदेश बर्फीला और उजाड़ दिखाई देता है। यहाँ का मुख्य पशु रेंडियर है जिसे एस्किमो की 'कामधेनु' कहा जाता है।

टुंड्रा के दक्षिण में पूर्व से पश्चिम तक चौड़ी पट्टी में शीत ऋतु अत्यन्त ठंडी तथा ग्रीष्म ऋतु कोष्ण अर्थात् सामान्य उष्ण होती है। इस सम्पूर्ण चौड़ी पट्टी में नुकीली पत्ती वाले कोणधारी वन पाए जाते हैं।

- **वृक्षों की शाखाएँ नीचे झुकी हुई होने से ऊपरी सिरे का आकार कोण जैसा दिखाई देता है। इस प्रकार के वृक्षों वाले वन को 'कोणधारी वन' कहते हैं। यहाँ बर्फ अधिक गिरती है। वृक्षों के सिरे कोणीय होने से सारी बर्फ नीचे फिसल जाती है। इसीलिए शाखाएं भी नीचे झुकी होती हैं।**
- **कनाड़ा में लकड़ी काटने का काम करने वालों को 'लम्बरजैक' कहा जाता है। ये लोग शीत ऋतु में लकड़ियाँ काटते हैं। कटी हुई लकड़ियों के लट्ठे बर्फ की नदियों पर डाल देते हैं। ग्रीष्म ऋतु में जब नदियों की बर्फ पिघल कर बहने लगती है तो बहाव के साथ लट्ठे भी बहा दिए जाते हैं। इस प्रकार लकड़ियाँ कारखानों तक बिना मेहनत, बिना खर्च और अल्प समय में पहुँचाई जाती हैं।**

मानचित्र-5 : उत्तर अमेरिका - प्राकृतिक वनस्पति

इन वनों में चीड़, लार्च, स्प्रूस तथा फर के वृक्ष अधिक मिलते हैं। इन वनों के वृक्षों की लकड़ी मुलायम होती हैं, जो कागज, लुग्दी और फर्नीचर बनाने के काम आती है। यही कारण है कि कनाडा में लकड़ी काटने का व्यवसाय बहुत उन्नत है।

इन वनों में समूर (मुलायम बाल) वाले जीव जैसे-बीवर, सफेद भालू, लोमड़ी, भेड़िये, खरगोश तथा बारहसिंगे आदि पाए जाते हैं।

महाद्वीप के मध्यवर्ती भाग में जहाँ वर्षा बहुत कम होती है। शीत अत्यन्त कठोर होती है, दूर-दूर तक वृक्ष विहीन घास के मैदान फैले हुए हैं, जिन्हें 'प्रेयरी' का मैदान कहा जाता है। ये मैदान उपजाऊ है तथा पशु चारण और कृषि के लिए आदर्श हैं। इन मैदानों में बाइसन नामक पशु झुण्ड में विचरण करते हैं।

- **कैलिफोर्निया की घाटी में रेडवुड का वृक्ष अब तक का ज्ञात संसार का सबसे ऊँचा, सबसे प्राचीन और सबसे विशाल तने वाला वृक्ष माना जाता है।**
- **दक्षिण- पश्चिमी भाग में उष्ण मरूस्थलीय वनस्पति दृष्टिगोचर होती है। यहाँ वर्षा बहुत ही कम होती है। अनेक प्रकार की काँटेदार झाड़ियाँ और विभिन्न प्रकार की नागफनी (केक्टस) पाई जाती है। ऐरीजोना की इस मरूभूमि में केवल रेंगने वाले जीव पाए जाते हैं।**

पूर्वी भाग में शीतोष्ण मिश्रित वन पाए जाते हैं। जबकि दक्षिणी भागों में कठोर लकड़ी वाले उष्ण-शीतोष्ण पर्णपाती वन मिलते हैं। पश्चिमी मध्य भागों में भूमध्य सागरीय वनस्पति पाई जाती है। यहाँ ओक, चीड़, जैतून रेडवुड, कार्क तथा रसदार फलों के वृक्ष बहुतायात से विकसित होते हैं। कैलिफोर्निया की घाटी फलोत्पादन के लिए विख्यात है। वृक्षों की छाल, मोटी पत्तियाँ, चिकनी व मोटी होती है। वृक्ष काँटेदार होते हैं जो वृक्षों को सूखने से बचाए रखते हैं।

उत्तर अमेरिका के प्रमुख देशों की राजधानियाँ

क्र.	प्रमुख देश	राजधानियाँ
1.	कनाडा	ओटावा
2.	संयुक्त राज्य अमेरिका	वाशिंगटन डी.सी
3.	मैक्सिको	मैक्सिकोसिटी
4.	क्यूबा	हवाना
5.	ग्वाटेमाला	ग्वाटेमालासिटी
6.	निकारागुआ	मानागुआ
7.	हण्डुरास	तेगुनीगल्पा डी.सी.
8.	पनामा	पनामा सिटी
9.	हैती	पोर्ट-ओ-प्रिन्स
10.	जमैका	किंग्सटन
11.	कोस्टारिका	सैन जोज
12.	डोमिनिकन गणराज्य	सैंटोडोमिंगो

अभ्यास प्रश्न

निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए –

1. किन धाराओं के मिलने से न्यूफाउन्डलैण्ड के निकट घना कोहरा छा जाता है–
   - क. गल्फस्ट्रीम और अलास्का जलधारा
   - ख. गल्फस्ट्रीम और कैलीफोर्निया की धारा
   - ग. गल्फस्ट्रीम और लेब्रेडोर जलधारा
   - घ. लेब्रेडोर और अलास्का की जलधारा
2. निम्न में से किस प्रकार के जलवायु प्रदेश में शीत ऋतु में वर्षा होती है–
   - क. उष्ण मरूस्थलीय जलवायु
   - ख. भूमध्य सागरीय जलवायु
   - ग. टुंड्रा जलवायु प्रदेश
   - घ. भूमध्य रेखीय जलवायु प्रदेश

अति लघु उत्तरीय प्रश्न–

1. उत्तर अमेरिका का अक्षांशीय और देशान्तरीय विस्तार लिखिये?
2. उत्तर अमेरिका का सबसे ऊँचा पर्वत शिखर कौन सा है?
3. उत्तर अमेरिका की महान झीलों के नाम लिखिए।
4. वे कौन सी चार महासागरीय धाराएँ हैं जो उत्तर अमेरिका की जलवायु को प्रभावित करती हैं?
5. कोंणधारी वनों की दो विशेषताएँ लिखिए।

लघु उत्तरीय प्रश्न–

1. उत्तर अमेरिका के किन्हीं तीन पठारों के नाम उनकी स्थिति सहित लिखिए।
2. उत्तर अमेरिका की वनस्पति में विविधता के कारण लिखिए।
3. भूमध्य सागरीय वनस्पति की तीन विशेषताएँ लिखिए।
4. केनियन और कार्डिलेरा में क्या अंतर है?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न–

1. उत्तर अमेरिका के भौतिक विभागों के नाम लिखते हुए प्रत्येक का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
2. कोणधारी वन तथा उनमें पाये जाने वाले वन्य प्राणियों का वर्णन कीजिए।
3. उत्तर अमेरिका की जलवायु को प्रभावित करने वाले कारकों को विस्तार से लिखिए।

मानचित्र कौशल–

उत्तर अमेरिका के रेखा मानचित्र में निम्नांकित को दर्शाइए–

1. अप्लेशियन पर्वत, रॉकी पर्वत।
2. मिसीसिपी, सेंटलारेंस, कोलोरेडो नदियाँ।
3. महान झील क्षेत्र तथा विनिपेग।
4. मैक्सिको, हडसन और कैलिफोर्निया की खाड़ी।
5. प्रेयरी का मैदान।
6. एरीजोना मरूस्थल।
7. लेब्रेडोर का पठार।
8. गल्फस्ट्रीम, लेब्रेडोर जलधारा।
9. कर्क रेखा।
10. पश्चिमी द्वीप समूह, ग्रीनलैण्ड, न्यूफाउण्डलैण्ड।